This question paper contains **4+1** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **1013**

Unique Paper Code : **205281** **D**

Name of the Paper : **Hindi-A–Paper CP-2.5–Hindi Language (A)**

प्रश्न-पत्र–CP-2.5—हिंदी भाषा (क))

Name of the Course : **B.Com. (Hons.)**

Semester : **II**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

1. भाषा और बोली में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

हिंदी की किन्हीं **पाँच** बोलियों के नाम लिखिए।

2. नयी चेकबुक जारी करवाने के लिए बैंक प्रबन्धक को पत्र लिखिए। 4

अथवा

अपने विषय से संबंधित पुस्तकों के नये संस्करण मंगवाने के लिए पुस्तकालय-अध्यक्ष को पत्र लिखिए।

P.T.O.

3. अच्छे विज्ञापन की विशेषताएँ बताइए। 3

अथवा

निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय का पल्लवन कीजिए

(क) एकता में बल है

(ख) जिसकी लाठी उसकी भैंस।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए : 6

(क) विश्वविद्यालय का सांस्कृतिक उत्सव–'अंतर्ध्वनि'

(ख) नारी-शक्ति

(ग) दिल्ली में वर्षा का मौसम

(घ) मेरी प्रिय फिल्म।

5. कोश की परिभाषा देते हुए कोश के प्रकारों का उल्लेख कीजिए। 5

अथवा

किन्हीं **पाँच** शब्दों के हिंदी प्रतिरूप लिखिए :

Capital, Claim, Credit, Deposit, Discount, Duty, Insurance, Export, Teller, Commerce, Account, Currency, Dividend, Estimate, Finance, Penalty, Revenue, Transfer, Tax.

6. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(क) यह बात भी न थी कि वह बहुत ऊँचे आदर्श के आदमी हों, पर रिश्वत को हराम समझते थे। किसी को जेल जाते देखा था, किसी को संतान से हाथ धोते, किसी को कुव्यसनों में फँसते। ऐसी उन्हें कोई मिसाल न मिलती थी, जिसने रिश्वत लेकर चैन किया हो।

अथवा

यह उस बालक का आनंद न था जिसने माता से पैसे माँगकर मिठाई ली हो, बल्कि उस बालक का जिसने पैसे चुराकर ली हो। उसे मिठाइयाँ मीठी तो लगती हैं, पर दिल काँपता रहता है कि कहीं घर चलने पर मार न पड़ने लगे। 6

(ख) धर्मग्रंथों में मनुष्य के बहुत से गुण गिनाए हैं, पर कहा है, कर्त्तव्य-पालन सबसे बड़ा गुण है। जो मनुष्य कर्त्तव्यपरायण है, वही सच्चा साधक है। अपने माता-पिता के प्रति कर्त्तव्य, अपने गुरु के प्रति कर्त्तव्य, अपने धर्म के प्रति कर्त्तव्य, इसी को सच्ची साधना कहते हैं।

अथवा

विलक्षण लोगों की जीवन-यात्रा कभी भी सीधे रास्ते से नहीं होती। वह सदा टेढ़े-मेढ़े रास्तों से होती है। अब गुरु विश्वामित्र को अश्वमेधी घोड़ों से ही ऐसा क्या प्यार हो गया था कि गुरुदक्षिणा में माँगे तो घोड़े ही माँगे ? बड़ी विचित्र बात है। 6

7. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

सत्ता का ध्यान यदि
प्रीतिकर लगता है
वैभव की तुच्छ किसी
रुढ़ स्वार्थ-इच्छा से
इससे तो अच्छा मैं
मानूँगी जीवन-यापन
तेरा, कर लेना वत्स !
पावन-पुण्य भिक्षा से।

अथवा

जब से जगत है बना
इसके तटों पर मना
यही एक त्यौहार—
जीत का, हार का,
धाड़ का, मार का
निरंतर और निराधार ! 6

8. 'कालजयी' के आधार पर भारतीय संस्कृति पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

'कालजयी' के प्रतिपाद्य पर विचार कीजिए।

9. 'माधवी' नाटक की मूल समस्या क्या है ? स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

माधवी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

10. 'गबन' उपन्यास के कथ्य की चर्चा कीजिए। 12

अथवा

जालपा की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।